NT>

Title: Need to provide reservation for the Brahmins and other higher castes in the country.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, अनुसूचित जाति एवं जमाति को 22.5 टक्का रिजर्वेशन केन्द्र सरकार की तरफ से मिलता है। इससे दूसरी ऊंची जाति के लोगों में बहुत बार असंतोा भी पैदा होता है कि हमें कुछ नहीं मिल रहा है। अभी ब्राह्मण समाज ने मांग की है कि उन्हें भी रिजर्वेशन् मिलना चाहिए। इस पर हमारी मांग है कि ब्राह्मण समाज का परिमाण तीन परसेन्ट है, इसलिए उन्हें तीन परसेन्ट रिजर्वेशन् मिलना चाहिए और इससे ज्यादा जिन विभागों में ये लोग हैं उन्हें निकाल देना चाहिए।

हमारी दूसरी मांग यह है कि 1950 में एस.सी.,एस.टी. को 22.5 परसेन्ट रिजर्वेशन इसलिए मिला क्योंकि उनकी पापुलेशन इतनी थी। हमारी मांग है कि अनुसूचित जाति और जनजाति के 22.5 परसेन्ट रिजर्वेशन को छोड़कर जो शेा 77.5 परसेन्ट बचता है, उसमें मुस्लिम कम्युनिटी 15 परसेन्ट है, उन्हें इसी परिमाण से इतना रिज र्वेशन मिलना चाहिए। जिस जाति का कितना परिमाण है, उस जाति को उसी परिमाण में 77.5. परसेन्ट में से रिजर्वेशन देने के बारे में केन्द्र सरकार को विचार करना चाहिए। दलित और आदिवासियों को बहुत कुछ मिल रहा है। इसलिए लोगों की समझ ठीक नहीं है। हमारी मांग है कि 22.5 परसेन्ट रिजर्वेशन को छोड़कर शेा 77.5 में से हर जाति को उसकी पापुलेशन के मुताबिक रिजर्वेशन् देना चाहिए। अब इस मसले को हल करने की आवश्यकता है। हमारा निवेदन है कि भारत सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

13.03 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen **of the Clock.**